

6. यूरोप महाद्वीप

कक्षा 6 में हमने एशिया महाद्वीप और उसके कुछ देशों के बारे में पढ़ा था। यहां जो संसार का नक्शा दिया है, उसमें एशिया महाद्वीप के इलाके को पहचानो और उन देशों को भी जिनके बारे में तुम पढ़ चुके हो। चलो कक्षा 7 में संसार के दो और महाद्वीपों की सैर करने चलें— यूरोप और अफ्रीका महाद्वीपों की। इस पाठ में यूरोप महाद्वीप से शुरुआत करेंगे।

संसार के मानचित्र न. 1 में यूरोप और एशिया के इलाकों को ज़रा ध्यान से तो देखो। कौन सा महाद्वीप बड़ा है? इन दोनों की सीमा पर क्या है?

तुम नक्शे में यूराल नाम की पर्वतमाला को फैला हुआ देख रहे हो। इन पर्वतों के एक तरफ एशिया की ज़मीन है और दूसरी तरफ यूरोप की।

इसी तरह नक्शे में दो बड़ी झीलें पहचानो, कैस्पियन सागर और काला सागर। ये इतनी विशाल हैं, कि इन्हें सागर ही कहा जाता है। इनका पानी भी खारा है, इसलिए इन्हें सागर कहना ही ठीक लगता है। कैस्पियन सागर और काला सागर से दक्षिण दिशा में चलें तो एशिया की ज़मीन पड़ेगी। इनसे उत्तर की तरफ चलें तो यूरोप का इलाका लग जाएगा। नक्शा देखो - क्या यह बात सही है?

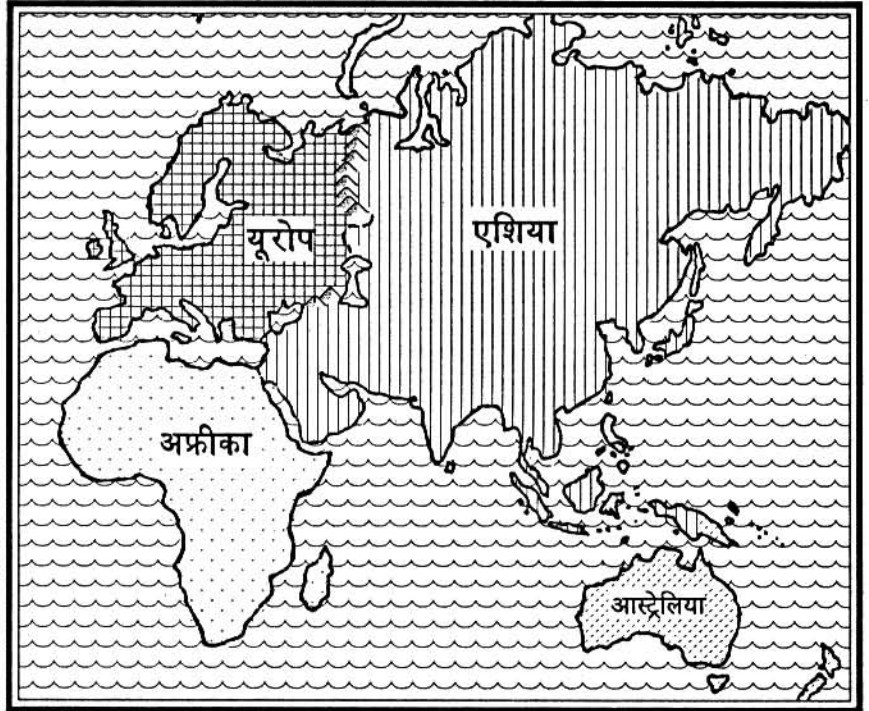
मानचित्र 2 देखकर खाली स्थान भरें—
यूरोप की दक्षिणी सीमा पर सागर है। इसके पार अफ्रीका महाद्वीप है।

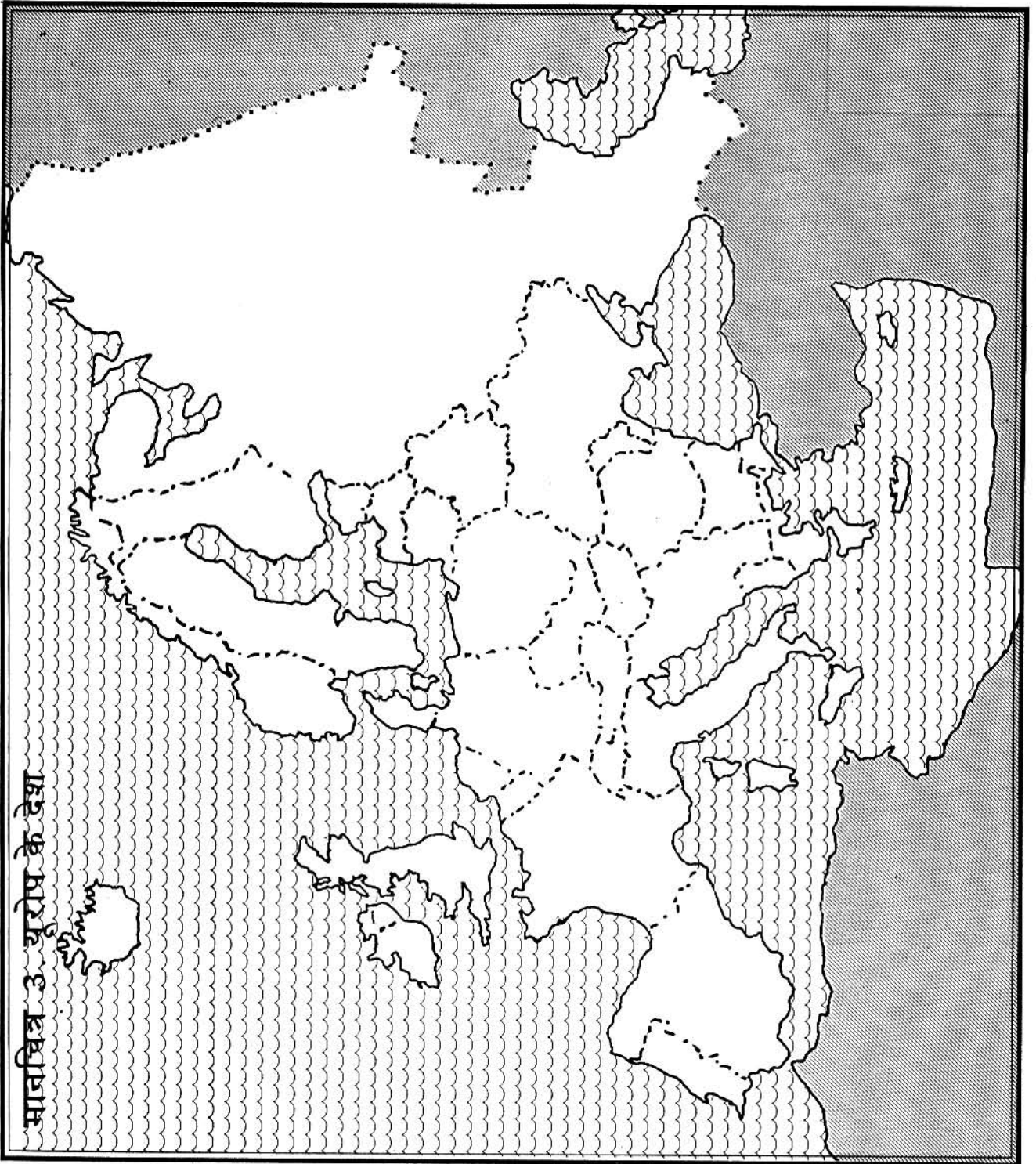
यूरोप की पश्चिमी सीमा पर महासागर है। इसके पार महाद्वीप है। यूरोप की उत्तरी सीमा पर सागर है। इसके पार है।

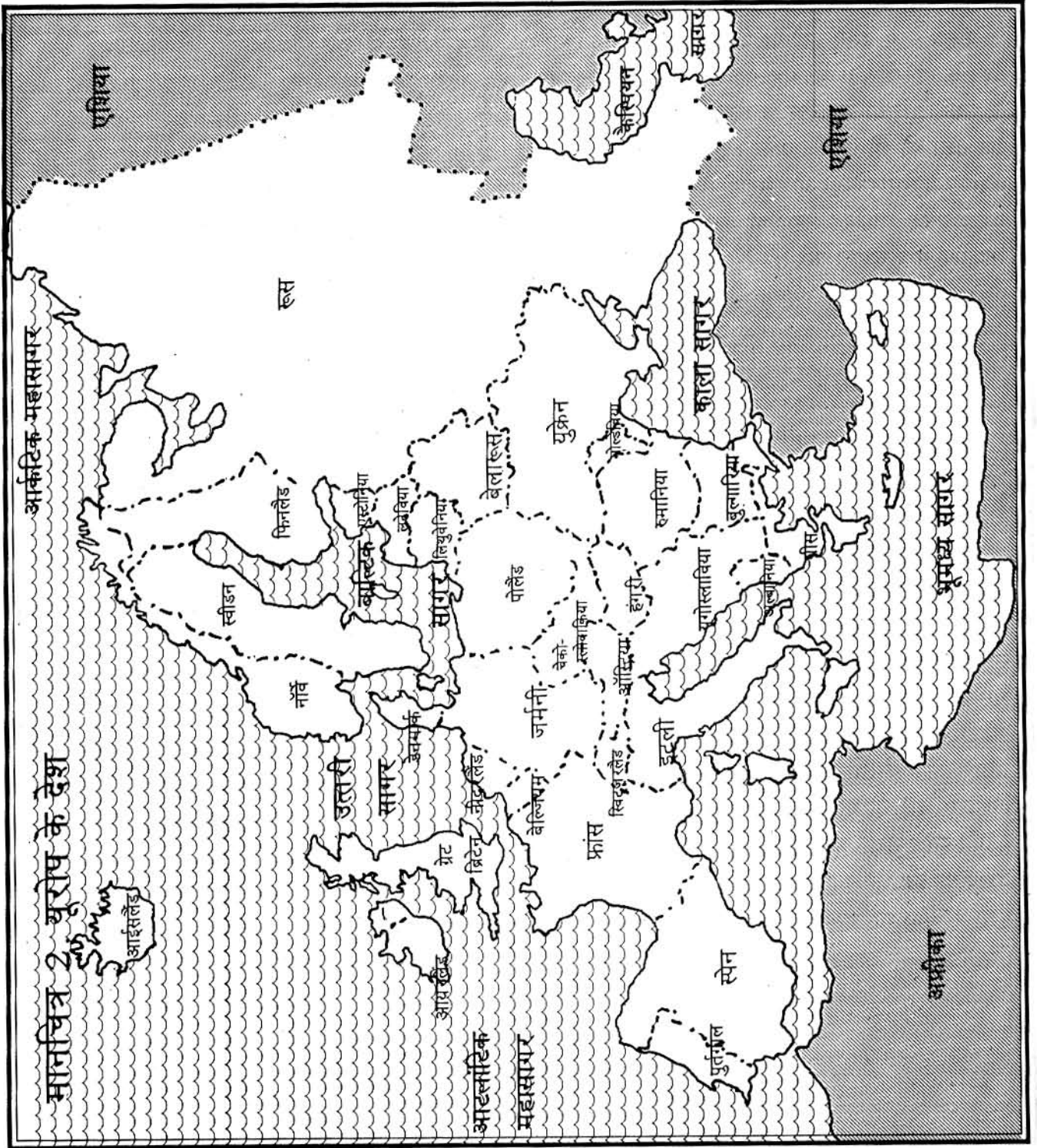
तुम मानचित्र 3 में अटलांटिक महासागर, उत्तरी महासागर, भूमध्यसागर, कैस्पियन व काला सागर के नाम सही जगह पर लिख कर उन्हें नीले रंग से रंग लो। ध्यान रहे कि सागरों के बीच पड़ने वाले द्वीपों पर कहीं नीला रंग न फैले।

एक बात का और ध्यान रखना। स्पेन और अफ्रीका के बीच एक जगह पर भूमध्यसागर बहुत ही संकरा हो जाता है और अटलांटिक महासागर से मिल जाता है। सागर की इस संकरी गली में नीला रंग ध्यान से भरना।

मानचित्र 1. चार महाद्वीप







यूरोप महाद्वीप का इलाका तो अब तुम अच्छे से पहचान गए होगे। तो चलो मानचित्र 2 में देखो कि इस इलाके में कौन-कौन से देश हैं। क्या इनमें से किसी देश का नाम तुमने सुना हुआ है?

मानचित्र 3 तुम्हारे लिए ही खाली छोड़ा गया है। इसमें यूरोप के अलग-अलग देशों को अलग-अलग रंगों से रंग लो और उनके नाम भी लिखने की कोशिश करो।

यूरोप के पहाड़, मैदान और नदियां

आओ अब यूरोप के पहाड़ों, मैदानों, नदियों व खाड़ियों का चक्कर लगाएं। इसमें मानचित्र 4 हमारी मदद करेगा।

यूरोप में कई ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं— अपने हिमालय जैसे वे भी हिम या बर्फ से ढके रहते हैं। आल्प्स और पिरिनीज़ पर्वतों को पहचानो।

पिरिनीज़ पर्वत किन देशों की सीमा पर है?

आल्प्स पर्वत से निकलने वाली दो नदियों के नाम बताओ। यूरोप के पूर्वी छोर पर कौन सा पर्वत है?

इनके अलावा तुम यूरोप में और कितनी पर्वत-मालाएं ढूंढ सकते हो? ढूंढ कर उनके नाम भी लिखो।

यूरोप की एशिया से तुलना करें तो एक मजेदार बात दिखाई देती है। एशिया में कई बड़े बड़े पठार हैं। पर ऐसे कोई बड़े पठार यूरोप में नहीं हैं। यूरोप के कई देशों में कुछ छोटे-छोटे पठार ज़रूर हैं। तुम चाहो तो कक्षा छठवीं की किताब में एशिया की बनावट का नक्शा देखकर जांच लो कि यहां बताई बात ठीक है या नहीं।

यूरोप का एक बहुत बड़ा हिस्सा विशाल मैदानों से बना है। इन विशाल मैदानों में कई नदियां बहती हैं।

तुम इन नदियों को पहचानो और लिखो कि वे किस सागर में मिलती हैं—

नदी का नाम किस सागर में मिलती है

1. सीन

2. राईन

नदी का नाम

किस सागर में मिलती है

3. ओडर

4. पो

5. डेन्यूब

6. वेस्टुला

7. वोला

8. नीपर

9. डॉन

10. बीना

यूरोप के प्रायद्वीप व खाड़ियां

यूरोप का मानचित्र देखो, कितना कटाफटा किनारा है। कहीं समुद्र यूरोप के भीतर तक घुस आया है। बाल्टिक सागर को देखो। कहीं यूरोप की ज़मीन सागरों के बीच तक फैली है। जैसे, इटली देश की ज़मीन को देखो। यह किस सागर में घुसी जा रही है? इटली जैसा इलाका तो तीनों तरफ से सागर से घिरा है। ऐसे इलाकों को प्रायद्वीप (यानी द्वीप के समान) कहा जाता है। स्कैन्डीनेविया भी एक प्रायद्वीप ही कहलाएगा। है न! नक्शे में जांच करो।

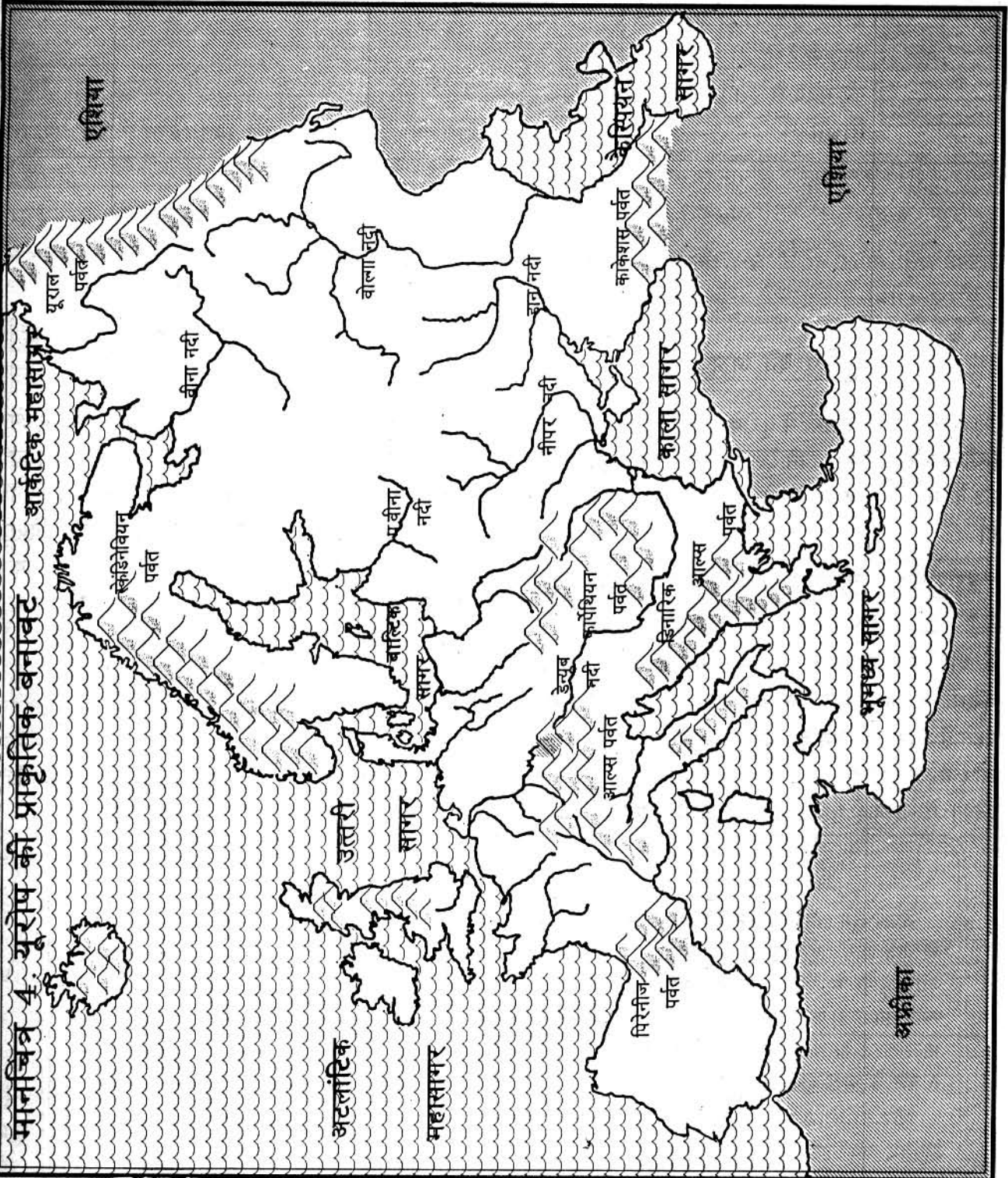


अब ग्रीस और फ्रांस देश में से प्रायद्वीप तुम अपने आप ढूंढो और उन्हें रंग लो।

तीन तरफ क्या, यूरोप के कुछ देश तो चारों तरफ से सागर से घिरे हैं, यानी द्वीप हैं। ग्रेट ब्रिटेन और आइसलैंड ऐसे ही द्वीप-देश हैं। यूरोप में कुछ और द्वीपों को भी ढूंढो।

यूरोप के द्वीपों व प्रायद्वीपों के बहुत से लोगों के जीवन में समुद्र बहुत महत्व रखता आया है। यूरोप की खाड़ियों के कारण भी समुद्र लोगों के जीवन में बहुत महत्व रखता है। खाड़ियों में जहाजों को आने जाने व ठहरने में, और व्यापार का सामान जहाजों पर लादने व उतारने में काफी आसानी रहती है।

मानचित्र 4: यूरोप की प्राकृतिक बनावट





खाड़ी समुद्र के उस हिस्से को कहते हैं जिसके तीन तरफ ज़मीन पाई जाती है। जैसे बाल्टिक सागर एक खाड़ी है। इसके तीन तरफ कौन से देशों की ज़मीन है? मानचित्र 2 की मदद से इस प्रश्न का जवाब ढूँढकर लिखो।

अब बिस्के की खाड़ी, बोयनिया की खाड़ी और एड्रियाटिक सागर को भी ढूँढ निकालो।

क्या काला सागर को भी खाड़ी माना जा सकता है? कारण बताओ।

यूरोप की जलवायु

अपने देश की तुलना में यूरोप बहुत ठंडा रहता है। वहां गर्मी के मौसम में भी अपने देश जैसी तेज़ गर्मी नहीं पड़ती। ठंड के महीनों में बहुत से प्रदेशों में तो बर्फ गिरती रहती है।

यूरोप की जलवायु अपने देश से इतनी फर्क क्यों है? चर्चा करो।

एशिया पढ़ते समय तुम जान गए थे कि जो हिस्से भूमध्यरेखा के पास हैं (जैसे इंडोनेशिया) वे साल भर गर्म रहते हैं और ज्यों-ज्यों हम पृथ्वी पर उत्तर या दक्षिण की ओर बढ़ते हैं सर्दी बढ़ती जाती है। यहां तक कि ध्रुवीय प्रदेशों में तो कई महीने बर्फ ही जमी रहती है।

मानचित्र में देखो यूरोप भूमध्यरेखा से कितनी दूर उत्तर में है?

क्या यूरोप भारत से भी उत्तर में है?

क्या यह जापान जितना उत्तर में है?

यूरोप के दो देश हैं, नार्वे व इटली। इनमें से किस देश की जलवायु ज्यादा ठंडी होगी? क्यों?

भूमध्यरेखा से दूरी के अलावा यूरोप की जलवायु पर एक और बात बहुत असर डालती है। यह है अटलांटिक महासागर और उस पर से चलने वाली हवाएं।

बताओ यूरोप का पश्चिमी हिस्सा अटलांटिक महासागर के पास है या पूर्वी हिस्सा?

पश्चिमी यूरोप में ठंड कम पड़ती है और पूर्वी यूरोप में बहुत ही कड़के की ठंड पड़ती है। उदाहरण के लिए पोलैंड और रूस में जितनी तेज़ ठंड पड़ती है उससे कम ठंड फ्रांस और इंग्लैंड में पड़ती है। जाड़े में रूस की नदियां जम कर बर्फ हो जाती हैं। रूस से लगा हुआ समुद्र तक जम कर बर्फ हो जाता है। लेकिन पश्चिमी यूरोप के तटीय प्रदेशों में ऐसा नहीं होता।

जाड़े में स्पेन और चेकोस्लोवाकिया में से कहां की जलवायु ज्यादा ठंडी होगी?

यूरोप की जलवायु में पूर्व व पश्चिम में जो फर्क है इसका क्या कारण हो सकता है, चलो पढ़ें।

ज्वार भाटा

अगर तुम समुद्र के पास नहीं भी रहते, तो भी किसी कहानी या कविता में, या किसी फिल्म में तुमने ज्वार भाटा की बात शायद सुनी होगी। जब समुद्र का पानी किनारे पे चढ़ आता है और नदियों के मुहाने में भर जाता है तो इसे ज्वार आना कहते हैं। समुद्र तट पर हर 24 घंटे में ऐसा दो बार होता है। पूर्णिमा व अमावस्या के दिन बहुत ज़ोर से ज्वार आता है। ज्वार आने के 5-6 घंटे बाद पानी उतरने लगता है और किनारे पर सूखी धरती निकल आती है। इसे भाटा कहते हैं। भाटा भी एक दिन में दो बार आता है। उदाहरण-के लिए यदि दिन में 12 बजे ज्वार आया तो शाम 6 बजे से भाटा शुरू हो जाता है। फिर रात के 12 बजे ज्वार आने लगता है और सुबह 6 बजे भाटा शुरू होता है।

ज़ोर का ज्वार आने पर समुद्र में ठहरे जहाज़ किनारे के बहुत पास आ सकते हैं और टकराकर टूट भी सकते हैं। इसलिए बन्दरगाह ऐसी खाड़ियों में बनाए जाते हैं जहां पानी गहरा हो। गहरी खाड़ियों में ज्वार का पानी तेज़ी से नहीं चढ़ता।

पछुआ हवाएं व समुद्री धाराएं

अटलांटिक महासागर की ओर से यूरोप में साल भर हवाएं चलती रहती हैं। इन्हें पछुआ हवाएं कहते हैं क्योंकि ये पश्चिम दिशा से आती हैं। (और ठीक से कहें तो ये हवाएं दक्षिण पश्चिम दिशा से चल कर उत्तर पूर्व दिशा की ओर जाती हैं।) ये हवाएं हल्की गर्म होती हैं। ये गर्म पछुआ हवाएं सर्दियों में भी चलती रहती हैं।

क्या तुमने ध्यान दिया है कि जाड़े और गर्मी के मौसम में अपने यहां भारत में हवा की दिशा बदल जाती है? अपने यहां साल भर एक ही दिशा से हवा नहीं चलती।

इस बात की अपने अनुभव के आधार पर चर्चा करो!

यूरोप की पछुआ हवाएं गर्म क्यों होती हैं? इसका कारण यह है कि अटलांटिक महासागर का पानी भी साल भर कुछ गर्म बना रहता है। ऐसा क्यों? यह एक और ही मजेदार बात है, ध्यान से पढ़ो।

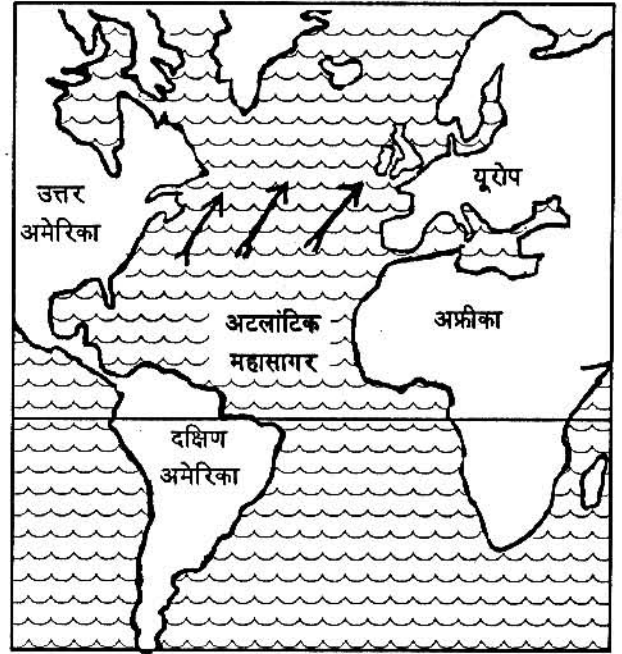
गर्म जलधारा

बड़े-बड़े सागरों में पानी स्थिर नहीं रहता। तुम जानते ही हो कि समुद्र में लहरें उठती हैं। समुद्र में ज्वार भाटा भी आता है। पर एक और चीज़ भी होती है। समुद्रों में भी पानी धाराओं में एक जगह से दूसरी जगह चलता रहता है। समुद्र में ये धाराएं नदियों की तरह हज़ारों किलोमीटर चलती हैं।

ऐसी एक जलधारा अटलांटिक महासागर में भी चलती है। यह धारा भूमध्यरेखा के आसपास शुरू होती है। यह बहती हुई उत्तरी अमेरिका तक जाती है। उत्तरी अमेरिका के पूर्वी किनारे के साथ बहती हुई यह धारा यूरोप की तरफ बढ़ती है और यूरोप के पश्चिमी तट से टकराती है।

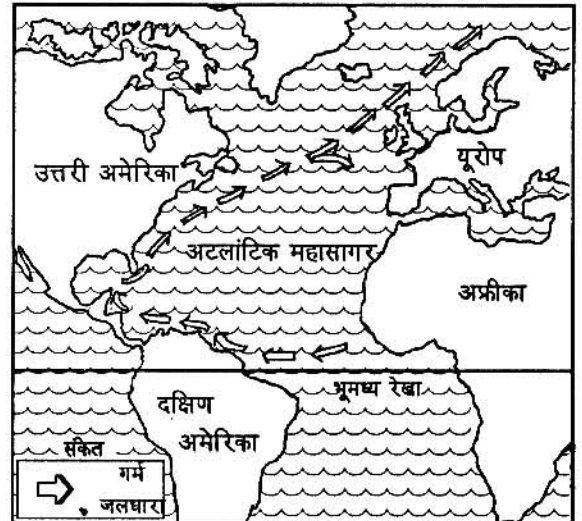
अटलांटिक महासागर में चलने वाली यह जलधारा भूमध्यरेखा के पास के पानी को अमेरिका व यूरोप तक पहुंचाती रहती है। इस धारा में बहने वाला पानी गर्म होता है।

मानचित्र 5. पछुआ हवाएं



गर्म जलधारा के बहने के कारण अटलांटिक महासागर का पानी कुछ गर्म रहता है। चूंकि यह गर्म जलधारा साल भर चलती है तो सागर का पानी भी साल भर गर्म सा रहता है। यही कारण है कि अटलांटिक सागर पर से चलने वाली पछुआ हवाएं भी गर्म रहती हैं। गर्म पछुआ हवाएं और अटलांटिक सागर का गर्म पानी जाड़े

मानचित्र 6. अटलांटिक महासागर में गर्म जलधारा



में भी पश्चिमी यूरोप को बहुत ज़्यादा ठंडा नहीं होने देते। ठंड में भी यहां के बन्दरगाहों में जहाज़ आ जा सकते हैं क्योंकि पानी जम कर बर्फ नहीं बन पाता।

पूर्वी यूरोप को इनका लाभ क्यों नहीं मिल पाता? चर्चा करो।

खाली स्थान भरों:

भूमध्यरेखा के आसपास समुद्र का पानी रहता है।
(गर्म, ठंडा, बर्फीला)

भूमध्यरेखा के इलाके से निकल कर एक जलधारा उत्तरी अमेरिका के तट तक जाती है। (पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी)

यह जलधारा में चलती है। (अटलांटिक महासागर, भूमध्यसागर, काला सागर)

इस जलधारा में जो पानी यूरोप के तट तक पहुंचता है वह होता है। (ठंडा, गर्म, बर्फीला)

अटलांटिक महासागर से यूरोप की ओर पछुआ हवाएं चलती हैं। (जाड़े में, गर्मी में, साल भर)

ये हवाएं होती हैं। (गर्म, ठंडी, बर्फीली)

पश्चिमी यूरोप में साल भर वर्षा

साल भर बहने वाली पछुआ हवाओं का सिर्फ यह असर नहीं है कि वे पश्चिमी यूरोप को गर्म रखती हैं। पूरे साल चलने वाली इन हवाओं के साथ महासागर से बनने वाले बादल भी आते रहते हैं और अक्सर ही रिमझिम-रिमझिम बारिश करते रहते हैं। अपने देश में तो कुछ ही महीने मूसलाधार बारिश होती है। लेकिन पश्चिमी यूरोप में साल भर हल्की-हल्की बारिश होती रहती है। जैसे हम हरे हरे सावन का और बरखा की ठंडी फुहारों का इन्तज़ार करते हैं वैसे ही पश्चिम यूरोप के लोग खुले आसमान और सूरज की चमकीली गुनगुनाती धूप का इन्तज़ार करते रहते हैं।

यूरोप भारत से कई बातों में बहुत अलग है। अभी तक तुम कौन-कौन से फर्क समझ पाए?

गर्म जलधारा का एक महत्वपूर्ण लाभ यूरोप को यह मिलता है कि यह धारा मछलियों के लिए खूब सारी भोजन सामग्री भी बहाकर लाती है। इसमें असंख्य जीवाणु बहते हुए आते हैं। मछलियों की तो मौज रहती है। मछली यूरोप के लोगों का एक महत्वपूर्ण भोजन है और मछली पकड़ना एक बहुत बड़ा धंधा है।

यूरोप के लोग तथा समुद्री मार्ग

पश्चिमी यूरोप का कोई हिस्सा समुद्र से बहुत दूर नहीं है। एशिया के भीतरी भागों से तुलना करके देखो, वे हिस्से समुद्र से हज़ारों मील दूर हैं।

दीवार के या एटलस के मानचित्र को देखकर यूरोप के ऐसे छः नगरों के नाम लिखो जो समुद्र किनारे बसे हैं।

ऐसी हज़ारों बस्तियां यूरोप के तट पर सदियों से बसी हुई हैं। इनके लोग बहुत पुराने समय से समुद्री यात्राएं करते रहे हैं और साहसिक व कुशल नाविक बन गए हैं। उन्होंने जहाज़ बनाने की कला का भी खूब विकास किया है। ये लोग मछली पकड़ने के अलावा दूसरी चीज़ों का व्यापार भी किया करते थे।

जानते हो पुराने समय से ही यूरोप के लोगों के लिए कहां का व्यापार बहुत महत्व रखता था? हां, भारत का, चीन का और इंडोनेशिया का। इन देशों में उन्हें ऐसी चीज़ें मिलती थीं जो यूरोप में नहीं होती थीं— सूती व रेशमी कपड़े, हीरे जवाहरात, हाथी दांत, लौंग, कालीमिर्च, जायफल जैसे मसाले। वे सोने चांदी के सिक्के देकर यह सामान खरीद कर ले जाते थे। पर ज़रा सोचो, वे भारत, चीन व इंडोनेशिया तक पहुंचते कैसे थे? नक्शे में यूरोप से भारत पहुंचने के दो रास्ते दिखाए हैं। उन्हें देखो।

यूरोप के व्यापारियों व नाविकों ने भारत पहुंचने के और भी रास्ते ढूंढने की कोशिश की। यह इसलिए क्योंकि नक्शे में दिखाए दोनों रास्तों पर अरब देश के व्यापारियों ने अधिकार कर लिया था।

क्या तुम नक्शे में यूरोप से भारत पहुंचने के और मार्ग ढूंढ सकते हो?

इटली देश का एक नाविक था - कोलंबस। उसने सोचा कि पृथ्वी तो गोल है। अगर यूरोप से पूर्व दिशा में जाने वाले रास्ते अरब व्यापारियों ने हमारे लिए बन्द कर दिए हैं—तो क्या हुआ? हम पश्चिम दिशा में कोई रास्ता ढूँढ निकालेंगे। चूंकि पृथ्वी गोल है, हम अगर अटलांटिक महासागर में पश्चिम की दिशा में आगे बढ़ते जाएं, बढ़ते जाएं, तो कभी न कभी तो घूम कर चीन और भारत पहुंच ही जाएंगे।

तुम जरा ग्लोब लेकर कोलंबस के विचार को समझो। क्या उसका विचार ठीक था?

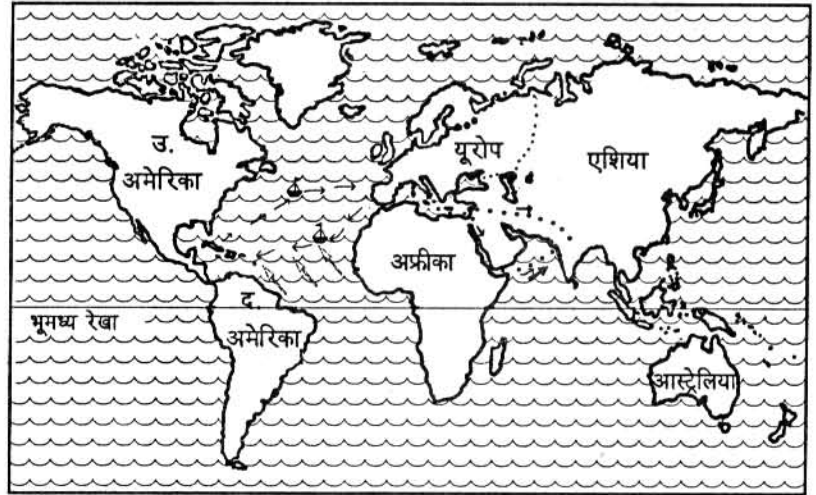
सन् 1492 में कोलंबस तीन जहाज़ लेकर अटलांटिक महासागर की यात्रा पर निकला। तीन महीने यात्रा करने के बाद उसे ज़मीन दिखाई दी। वह बहुत खुश हुआ। उसे लगा कि वह भारत पहुंच ही गया है। पर, वास्तव में वह अमेरिका पहुंचा था।

कोलंबस के ज़रिए यूरोप के लोगों को अमेरिका का पता चला। फिर कई यूरोपीय लोग जाकर अमेरिका में बसने लगे और व्यापार भी करने लगे। यूरोप के पाल के जहाज़ अमेरिका की ओर बहने वाली हवाओं के साथ चलते हुए आसानी से वहां पहुंच जाया करते थे।

यह कौन सी हवाएं थीं जो यूरोप से पश्चिम दिशा की ओर बहती थीं और जहाज़ों को यूरोप से अमेरिका की तरफ ले जाती थीं? क्या ये पछुआ हवाएं थीं? नहीं, वे तो यूरोप की तरफ बहती थीं। पता चला कि यूरोप के दक्षिण में दूसरी हवाएं हैं जो साल भर अमरीका की तरफ चलती रहती हैं। यानी वे पूर्व से पश्चिम की ओर चलती रहती हैं। इन्हें मानचित्र 7 में पहचानो। इनकी दिशा पछुआ हवाओं के विपरीत है। क्या यह बात सही है?

इन हवाओं का नाम 'व्यापारिक हवाएं' पड़ गया। क्या इस बात का कारण सोच सकते हो?

मानचित्र 7. व्यापारियों के मार्ग



संकेत



कोलंबस का रास्ता



व्यापारिक हवाएं



भारत आने के पुराने रास्ते

लोग व्यापारिक हवाओं के ज़रिए यूरोप से अमेरिका तक जहाज़ों में पहुंचने लगे। अब बताओ कि अमेरिका से यूरोप वे कैसे लौटते होंगे?

क्या पाल के जहाज़ व्यापारिक हवाओं के साथ-साथ अमेरिका से यूरोप जा सकते थे? कारण समझाओ।

पछुआ हवाओं के सहारे जहाज़ किस महाद्वीप से किस महाद्वीप की ओर जा सकते थे?

क्या पछुआ हवाओं के सहारे यूरोप से अमेरिका और अफ्रीका पहुंचा जा सकता था?

यूरोप के लोगों ने कई समुद्री मार्ग खोजे। उनसे वे अमेरिका ही नहीं, अफ्रीका, भारत, व आस्ट्रेलिया तक पहुंचे और व्यापार शुरू किया। दुनिया भर के व्यापार से यूरोप के व्यापारियों ने बहुत धन कमाया और फिर अपने देश में उद्योग धंधों में धन लगाया। इसके बारे में तुम आगे के पाठ में पढ़ोगे।

अभ्यास के प्रश्न

1. अटलांटिक महासागर का यूरोप की जलवायु पर, लोगो के जीवन पर और काम धंधों पर बहुत असर रहा है। पूरे पाठ में से वो सारी बातें छांट कर लिखो जिन से यह असर पता लगता है।
2. नक्शे में ढूंढो और बताओ:
 - वह देश जिसके चारों तरफ ज़मीन है - क) हंगरी या रोमानिया ख) पोलैंड या स्विटज़रलैंड
 - वे पर्वत जो काला सागर और भूमध्य सागर के बीच पड़ते हैं।
 - वे पर्वत जो काला सागर और कैस्पियन सागर के बीच पड़ते हैं।
 - आर्कटिक सागर के तट पर कौन से देश हैं।
 - क्या भूमध्य सागर से चल कर कोई जहाज़ अटलांटिक महासागर पहुंच सकता है? अगर हां तो कौन से रास्ते से?
4. खाली स्थान भरो:
 - द्वीप ज़मीन का वह भाग है जिसके ——— तरफ पानी है।
 - प्रायद्वीप ज़मीन का वह भाग है जिसके ——— तरफ पानी है।
 - खाड़ी सागर का वह भाग है जिसके ——— तरफ ज़मीन है।
5. गहरी खाड़ियों में बंदरगाह क्यों बनाए जाते हैं?